“मोते आदमी” आध्यामिक और बाइबिल में क्या अर्थ है?

न्यायवादियों 3:17 में लिखा है:

“और उसने मुआब का राजा एग्लोन को दाय देना लाया। एग्लोन परन्तु बहुत मोटा व्यक्ति था।”
हिंदी मानक बाइबल (Hindi Standard Bible) / पवित्र बाइबिल CL संस्करण

स्वाहिली शब्द “fat man” का मतलब है “बहुत बड़ा होना” या “भारी वृद्धि होना।” इस संदर्भ में यह एग्लोन के लिए कहा गया है — न केवल शारीरिक रूप से बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी — कि वह अत्यंत बढ़ गया था।

इसलिए इस वचन को इस तरह समझा जा सकता है:

“तब उसने मुआब के राजा एग्लोन को दाय दिया, जो अत्यधिक बढ़ा
हुआ था।”

लेकिन शारीरिक अर्थ से आगे बढ़कर, बाइबिल में अक्सर “मोटा होना” की अवधारणा का उपयोग आध्यात्मिक सुस्ती, नैतिक पतन, और समृद्धि

का दुरुपयोग दिखाने के लिए किया जाता है। यह शब्द निम्न महत्वपूर्ण ग्रंथों में भी आता है:

यिर्मयाह 50:11 – बबेलन पर न्याय

“क्योंकि तुम आनन्दित थे, क्योंकि तुम हर्षित हुए, / हे मेरे धरोहर के विनाशक हो; / क्योंकि तुम गाय के समान मोटे हो गए
हो, जो अनाज बहता है, / और बैलों की तरह दुम हिलाते हो…”

यहाँ “मोटे हो गए हो” अभिमान, लालच और अन्याय में आनंद लेने को दर्शाता है — एक ऐसी स्थिति जिसमें परमेश्वर की न्याय की प्रतिक्रिया होती है।

व्यवस्था वचन 32:15 – “येशुरुन” का मामला

“पर येशुरुन मोटा हो गया और लात मारी; तुम मोटे हो गए, तुम चपटा हो गए हो, तुम अत्यधिक मोटे हो गए; तब उसने उसे बनाने वाले परमेश्वर को त्याग दिया, और अपने उद्धार के शिला को तुच्छ मान लिया।”

येशुरुन (एक काव्यात्मक नाम है इस्राएल के लिए) को दिखाया गया है कि उन्होंने अपनी समृद्धि में आत्मसंतुष्ट हो जाना, परमेश्वर को भूल जाना और आध्यात्मिक विद्रोह में पड़ जाना।

दिल की परीक्षा: तुम किस चीज़ में “मोटे” हुए हो?

यह एक महत्वपूर्ण आत्मनिरीक्षण की स्थिति है:

आध्यात्मिक रूप से — तुम किसमें बढ़ रहे हो?

क्या तुम धर्म में बढ़ रहे हो, या पाप में?

पाप में बढ़ना आध्यात्मिक रूप से खतरनाक है और परमेश्वर के न्याय को आमंत्रित करता है।

यिर्मयाह 5:28–29 – भ्रष्ट नेताओं की निंदा

“वे मोटे हो गए हैं, वे चिकने हैं; हाँ, वे बुरों के कार्यों से अधिक बढ़ चुके हैं; वे याचना नहीं करते, अनाथों की बात

> नहीं उठाते ; तब भी वे फलते -फूलते हैं , और ज़रूरतमंदों का अधिकार नहीं रखते। ”

इस परिच्छेद में , आध्यात्मिक मोटापा भ्रष्टाचार , आत्म -भोग और कमजोरों के उत्पीड़न का प्रतीक है। परमेश्वर प्रश्न करता है — क्या ऐसी बुराई बिना सज़ा के रहने योग्य है ?

बुलावा : क्या तुम पवित्र आत्मा से मुहरबंद हो ?

बाइबिल हमें बताती है कि पवित्र आत्मा विश्वासी के जीवन पर परमेश्वर की मुहर है :

 इफिसियों 4:30

> “और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को मत दुखाना , जिससे आप मुक्ति के दिन के लिए मुहरबंद किए गए हो। ”

पाप में भर जाना (आध्यात्मिक “मोटा ” होना) इसके ठीक उल्टा है। इसके बजाय हमें आत्मा से भरा होना चाहिए : शुद्ध , समर्थ और अनंत जीवन के लिए मुहरबंद।

यीशु जल्द आ रहे हैं — मरन आथा!

प्रभु यीशु की वापसी निकट है।

मरन आथा — “हे प्रभु, आओ!” (1 कुरिन्थियों 16:22)

हमें उनकी तंगी में न होना चाहिए जैसे जो पाप में ‘मोटे’ हो गए हों और परमेश्वर को भूल गए हों। हमें आध्यात्मिक सतर्क, तैयार, और पवित्र आत्मा से मुहरबंद होना चाहिए जब मसीह की वापसी होगी।

इस संदेश को साझा करो

यह पश्चाताप, नवीनीकरण और तैयारी का आह्वान है। इस सत्य को दूसरों के साथ बांटो — शब्द को फैलाओ।

क्या तुम पाप में “मोटे” हो गए हो, या धर्म में बढ़े हो?
प्रभु लौट रहे हैं। विश्वासपात्र पाए जाओ।

Share on:

“□□□□□ □□□□□” □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□?

WhatsApp